Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-502

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018

B.A. Philosophy (Semester: Fifth)

Philosophy

मीमांसा–दर्शन–1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "सति सम्प्रयोगे पुरुषस्येन्द्रियाणां बुद्धिजन्म तत्प्रत्यक्षं निमित्तं विद्यमानोपलम्भत्वात्" – प्रस्तुत सूत्र का सप्रसंग वर्णन करें।
2. मीमांसा दर्शन के अनुसार शब्द के नित्यत्व को सप्रमाण सिद्ध करें।
3. मीमांसा दर्शन का मुख्य प्रतिपाद्य विषय क्या है? संक्षेप में बताएँ।
4. प्रथमाध्याय के प्रथमपाद में शब्द के अनित्यत्व में पूर्वपक्षी के द्वारा दिए गए हेतुओं को अर्थ सहित प्रस्तुत करें।
5. अधीतग्रन्थानुसार विज्ञानवाद का निराकरण करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. मीमांसा के अनुसार वेद की पौरुषेयता का औचित्य सही है अथवा गलत ?
2. "नित्यस्तु स्याद्दर्शनस्य परार्थत्वात्" इस सूत्र का अर्थ प्रसंग सहित लिखें।
3. मीमांसा दर्शन का समान दर्शन कौन–सा है और क्यों है?
4. "कृते वा विनियोगस्यात् कर्मणस्सम्बन्धात्" सूत्र का वर्णन करें।
5. मीमांसा के अनुसार धर्म का क्या स्वरूप है?
6. मीमांसा दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का वर्णन करें।

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. मीमांसा दर्शन के अनुसार वेद पौरुषेय हैं अथवा अपौरुषेय है?
2. मीमांसा दर्शन कितने प्रमाणों को स्वीकार करता है?
3. "अथातो धर्म जिज्ञासा" सूत्रार्थ लिखें।
4. मीमांसक किस मत के समर्थक हैं – स्वतः प्रामाण्यवाद अथवा परतः प्रामाण्यवाद?
5. मीमांसा में वेद वाक्यों के कितने विभाग कहे गए हैं?

----------X----------